

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI L. N. MISHRA) : (a) to (d). A statement is laid on the Table of the House.

*Statement*

The exports of cotton textile during the four months period January—April, 1971 are approximately Rs. 6.60 crores less than the exports during the corresponding period in 1970.

Inadequate availability and high prices of domestic cotton coupled with high cost of conversion due to inadequate modernisation in the Textile Industry have adversely affected the competitiveness of Indian cotton textiles in the foreign markets.

The steps taken to increase export include :

- (i) stringent regulation of stocks, credit control and other trading facilities to arrest rise in prices of cotton.
- (ii) Arranging import of large quantity of foreign cotton.
- (iii) Allotment of foreign cotton to exporting mills.
- (iv) Encouraging modernization of exporting mills by arranging soft loans for them and allowing them to import machinery.

SHRI B. S. BHAURA : In view of the fact that the British Government have levied 15 per cent import duty on cotton textiles and this has adversely affected our trade, may I know what action Government is going to take to counter this and get the decision of the British Government revised ?

SHRI L. N. MISHRA : I have already answered this question at a considerable length in the form of a calling attention. I have explained the position of the Government of India and how it will affect our exports.

MR. SPEAKER : This question was admitted earlier than the calling attention. I think this has been sufficiently discussed. Next question.

ब्रिटेन, अमरीका और रूस को सूती कपड़े का निर्यात

\*524. डा० लक्ष्मी नारायण पाण्डे :

क्या विदेश व्यापार मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ब्रिटेन, अमरीका और रूस को भारत से प्रतिवर्ष कितनी मात्रा में सूती कपड़े का निर्यात होता है ;

(ख) उक्त देशों द्वारा उन पर कितने प्रतिशत प्रशुल्क लिया गया ;

(ग) क्या उक्त कपड़े पर अमरीका 15 प्रतिशत प्रशुल्क लेना चाहता है ; और

(घ) यदि हां, तो इस बारे में क्या कार्यवाही की गई है ?

विदेश व्यापार मन्त्री (श्री एल० एन० मिश्र) : (क) से (घ). एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

**विवरण**

वर्ष 1970 में हुए निर्यातों की अनुमानित राशि निम्नलिखित है :—

ब्रिटेन	1538.7 लाख रु०
संयुक्त राज्य अमरीका	1033.0     "
रूस	1688.6     "

भारत से किए जाने वाले आयातों पर ब्रिटेन तथा रूस में कोई आयात शुल्क नहीं लगता। संयुक्त राज्य अमरीका धागे तथा सूती वस्त्रों पर 6.27 प्रतिशत से 18.18 प्रतिशत तक शुल्क लेता है। सिले-सिलाए परिधानों पर शुल्क 8.5 प्रतिशत से 38 प्रतिशत तक है ।

संयुक्त राज्य अमरीका की ओर से प्रशुल्क बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। परन्तु ब्रिटेन की सरकार ने भारत से किये जाने वाले सूती वस्त्रों के आयातों पर 1-1-1972 से 15 प्रतिशत प्रशुल्क लगाने के अपने इरादे का एलान

किया है। मामले पर ब्रिटेन सरकार से बात-चीत की गयी है ताकि उन्हें शुल्क न लगाने के लिए राजी किया जा सके।

**डा० लक्ष्मी नारायण पांडे :** अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने अपने विवरण में बताया है कि मामले पर ब्रिटेन सरकार से बातचीत की गई है तो क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि ब्रिटेन की सरकार से बातचीत का क्या परिणाम निकला है? और यदि बातचीत का कोई संतोषजनक परिणाम नहीं निकला है तो इस सम्बन्ध में सरकार कौन सी ठोस कार्यवाही करने जा रही है ताकि ब्रिटेन की सरकार किसी ठीक नतीजे पर आने के लिए बाध्य हो सके?

**श्री एल० एन० मिश्र :** जैसा कि मैंने पिछली बार भी कहा था कि अभी तक कोई संतोषजनक निर्णय तो नहीं निकला है।

**डा० लक्ष्मी नारायण पांडे :** मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि इस निर्णय के प्रतिफल-स्वरूप आप कोई ऐसा निर्णय करने जा रहे हैं या ऐसा विचार आपके समक्ष है कि कामनवेल्थ से अपने सम्बन्ध आप तोड़ दें या तोड़ने पर विचार करेंगे?

**श्री एल० एन० मिश्र :** यह बहुत बड़ी बात है, इसके विषय में मैं कुछ नहीं कह सकता। यह बात सही है कि इससे हमको बहुत धक्का लगने वाला है और इस पर इस देश में और संसद में बड़ा असंतोष है और यह बात उनको बतला दी गई है।

**श्री सतपाल कपूर :** मिनिस्टर साहब ने कहा कि ब्रिटेन के एटीट्यूड से हमें बहुत धक्का लगने वाला है। अगर हमें बहुत नुकसान होने वाला है तो गवर्नमेंट आफ इण्डिया इस सारी पालिसी, कामनवेल्थ में रहने की पालिसी को फिर से रिव्यू क्यों नहीं करती है?... (व्यवधान)... अगर उनका एटीट्यूड चेंज नहीं होता है तो हम कामनवेल्थ छोड़ सकते हैं।

**अध्यक्ष महोदय :** इसका जवाब तो आ चुका है।

**SHRI JYOTIRMOY BOSU :** May I know what percentage of our textile export constitutes semi-finished textiles and what percentage constitutes finally finished textiles?

**SHRI L. N. MISHRA :** I require notice.

**MR. SPEAKER :** Too much statistical information is asked for.

**THRI JYOTIRMOY BOSU :** We are losing billions of rupees in foreign exchange.

**MR. SPEAKER :** Give a separate notice.

**SHRI JYOTIRMOY BOSU :** It does not come. We have tried a number of times.

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी :** अध्यक्ष जी, सभा पटल पर रखे गए वक्तव्य के अनुसार संयुक्त राज्य अमरीका धागे तथा सूती वस्त्रों पर 6.27 प्रतिशत से 18.18 प्रतिशत तक शुल्क लेता है और सिले सिलाये परिधानों पर भी शुल्क लेता है तो क्या सरकार ने इस बात का प्रयत्न किया है कि इस शुल्क की राशि में भी कमी हो?

**श्री एल० एन० मिश्र :** जी हां, हमने प्रयास किया है। हाल ही में हमारे कुछ वरिष्ठ अधिकारी अमरीका गए हुए थे, वहां पर उन्होंने बातचीत की। अब कोटा भी बढ़ाया गया है और उन्होंने कहा है कि यह जो ड्यूटी है वह घटाई जाये ताकि उनके साथ हमारा एक्सपोर्ट बढ़ सके।

**विकसित देशों की अधिमानात्मक व्यवहार योजना के अन्तर्गत भारत का निर्यात**

**\*528. श्री नरेन्द्र सिंह विष्ट :** क्या विदेश व्यापार मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विकसित देशों की अधिमानात्मक व्यवहार योजना के अन्तर्गत निर्यात